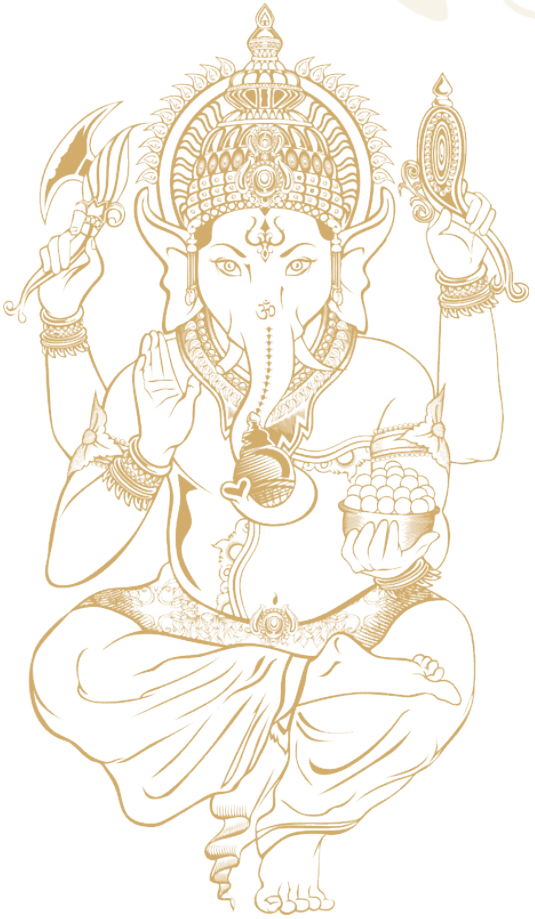

New

02 Feb 1991

03:30 PM

Deoband

Model: web-freekundliweb

Order No: 121819506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/1991**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	20:51:59 घटी
स्थान	**Deoband**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	77:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:10:40 घंटे
वेलान्तर	-00:13:41 घंटे
साम्पातिक काल	23:59:03 घंटे
सूर्योदय	07:09:12 घंटे
सूर्यास्त	17:57:06 घंटे
दिनमान	10:47:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:18:47 मकर
लग्न के अंश	18:50:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:50:09	315:02:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मक	19:18:47	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	00:39:26	13:29:37	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृष	09:35:51	00:18:57	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			मक	00:59:20	01:28:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	14:15:44	00:07:58	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	11:31:07	01:14:41	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	मक	05:45:20	00:07:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मक	04:14:12	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	04:14:12	00:02:08	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	17:51:46	00:03:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
नेप			धनु	21:34:34	00:02:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	26:31:29	00:00:42	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मीन	06:00:30	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:14

लग्न-चलित

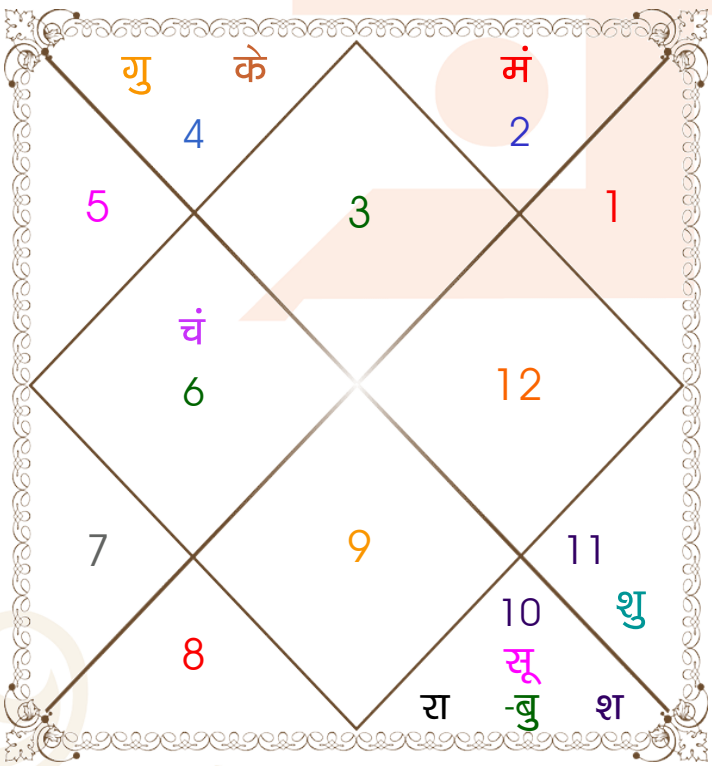

चन्द्र कुंडली

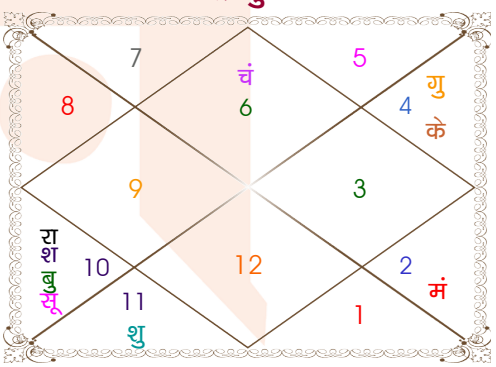

नवमांश कुंडली

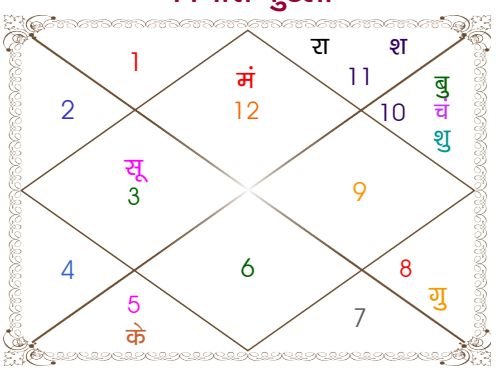

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/02/1991		18/04/1995		17/04/2005		17/04/2012		17/04/2030	
18/04/1995		17/04/2005		17/04/2012		17/04/2030		17/04/2046	
	00/00/0000	चंद्र	16/02/1996	मंगल	13/09/2005	राहु	29/12/2014	गुरु	05/06/2032
	00/00/0000	मंगल	16/09/1996	राहु	02/10/2006	गुरु	24/05/2017	शनि	17/12/2034
	02/02/1991	राहु	18/03/1998	गुरु	08/09/2007	शनि	30/03/2020	बुध	24/03/2037
राहु	06/05/1991	गुरु	18/07/1999	शनि	17/10/2008	बुध	17/10/2022	केतु	28/02/2038
गुरु	22/02/1992	शनि	15/02/2001	बुध	14/10/2009	केतु	05/11/2023	शुक्र	29/10/2040
शनि	03/02/1993	बुध	18/07/2002	केतु	12/03/2010	शुक्र	04/11/2026	सूर्य	17/08/2041
बुध	11/12/1993	केतु	16/02/2003	शुक्र	12/05/2011	सूर्य	29/09/2027	चंद्र	17/12/2042
केतु	17/04/1994	शुक्र	17/10/2004	सूर्य	17/09/2011	चंद्र	30/03/2029	मंगल	23/11/2043
शुक्र	18/04/1995	सूर्य	17/04/2005	चंद्र	17/04/2012	मंगल	17/04/2030	राहु	17/04/2046

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/04/2046		17/04/2065		17/04/2082		17/04/2089		18/04/2109	
17/04/2065		17/04/2082		17/04/2089		18/04/2109		00/00/0000	
शनि	20/04/2049	बुध	14/09/2067	केतु	14/09/2082	शुक्र	17/08/2092	सूर्य	06/08/2109
बुध	29/12/2051	केतु	10/09/2068	शुक्र	14/11/2083	सूर्य	17/08/2093	चंद्र	04/02/2110
केतु	06/02/2053	शुक्र	12/07/2071	सूर्य	21/03/2084	चंद्र	18/04/2095	मंगल	12/06/2110
शुक्र	08/04/2056	सूर्य	17/05/2072	चंद्र	20/10/2084	मंगल	17/06/2096	राहु	03/02/2111
सूर्य	21/03/2057	चंद्र	17/10/2073	मंगल	18/03/2085	राहु	18/06/2099		00/00/0000
चंद्र	20/10/2058	मंगल	14/10/2074	राहु	05/04/2086	गुरु	17/02/2102		00/00/0000
मंगल	29/11/2059	राहु	02/05/2077	गुरु	12/03/2087	शनि	18/04/2105		00/00/0000
राहु	05/10/2062	गुरु	08/08/2079	शनि	20/04/2088	बुध	17/02/2108		00/00/0000
गुरु	17/04/2065	शनि	17/04/2082	बुध	17/04/2089	केतु	18/04/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 2 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।